

विवेकानन्द महाविद्यालय दिल्ली विश्वविद्यालय (नैक द्वारा A ग्रेड प्राप्त)

पल्लवी 2022 के अवसर पर हिंदी विभाग द्वारा आयोजित 'धरोहर' (मातृभाषा गीतप्रतियोगिता)
आज्ञादी का अमृत महोत्सव के संदर्भ में

प्रतिवेदन

24 फरवरी 2022 को हमारे महाविद्यालय द्वारा पल्लवी 2022 के अवसर पर हिंदी विभाग द्वारा आयोजित 'धरोहर' मातृभाषा गीत प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता दोपहर 3:00 बजे प्रारंभ हुई। इस प्रतियोगिता के आयोजक प्राचार्य के रूप में डॉ हिना नंदराजोग, विभागाध्यक्ष के रूप में डॉ मुकेश बर्णवाल, संयोजक डॉ मीना पाण्डेय और छात्रा संयोजक के रूप में तृतीय वर्ष हिंदी विशेष की दो छात्राएं रेशमा और पूनम पाण्डेय रही। बाह्य निर्णायक के रूप में कालिंदी महाविद्यालय के अध्यापक डॉ हेमंत रमन रवि और बतौर आंतरिक निर्णायक के रूप में विवेकानन्द महाविद्यालय की अध्यापिका डॉ प्रतिभा जैमिनी रही। दोनों ही निर्णायक सदस्य लोक साहित्य के मर्मज्ञ विद्वान् हैं।

इस कार्यक्रम की शुरुआत डॉ मुकेश बर्णवाल ने की और धरोहर प्रतियोगिता रखने का कारण बताया और कहा की आज कल हम सभी जिस पीढ़ी से गुजर रहे हैं वे पीढ़ी अपनी मातृभाषा बोलने में लगभग शर्म महसूस करने लगी हैं। वे केवल हिंदी और अंग्रेजी पर ही केंद्रित रह गए हैं। और एक समय ऐसा भी होगा जब हमारे पास मातृभाषा के नाम पर केवल यादें रह जायेंगी। तो ये ही बजह है इस प्रतियोगिता को आयोजित करने की।

डॉ मीना पाण्डेय द्वारा सभी प्रतिभागियों, दर्शकों, निर्णायक सदस्यों का प्रतियोगिता में अभिवादन किया गया और डॉ सरोज द्वारा धरोहर प्रतियोगिता की शुरुआत कुछ आशीष वचन के साथ हुई इसकी शुरुआत भारतेंदु के प्रसिद्ध दोहे निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल। बिन निज भाषा ज्ञान के, मिट्ट न हिय को सूल॥ से की और बताया कि मातृभाषा हमारे जीवन में कितना महत्व रखती है। डॉ मीना पाण्डेय ने मंच संचालन की जिम्मेदारी छात्रा संयोजकों को दी। दोनों संयोजक ने हमारे निर्णायक मंडल का संशिष्ठ परिचय से शुरुआत की और प्रतियोगिता का आगाज़ हुआ। प्रतियोगिता में प्रतिभागियों के शानदार प्रदर्शन से हम सभी ने कई मातृभाषाओं को जाना जिसमें बिहारी, भोजपुरी, छत्तीसगढ़ी, गुजराती, नागपुरी, गड्वाली, उड़िया, उर्दू, अवधि, और खड़ी बोली हिन्दी के कई गीत सुनने को मिले। सभी के गीत सुनने पर हैं ज्ञात हुआ कि हम अपने भारत देश को विविधताओं के एकता देश क्यों कहते हैं। प्रत्येक प्रतिभागी ने गीत के माध्यम से अपने प्रांत का परिचय हम सभी से करवाया।

प्रतियोगिता ऑनलाइन आयोजित की गई थी, जिसमें विभिन्न प्रांतों के लगभग 20 से 25 प्रतिभागियों ने भाग लिया था।

अब कार्यक्रम समापन की और बड़ा और संयोजक डॉ मीना पाण्डेय जी ने सभी प्रतिभागियों को शावाशी दी और हमारे निर्णायक मंडल का निर्णय भी जब तक आ चुका था। निर्णायक मंडल प्रतियोगिता के दौरान बड़े ही असमंजस में था और जब निर्णय सुनाया गया तो हमारे निर्णायकों ने कहा की विजेता तो कोई 3 ही हो सकते हैं पर आप सभी प्रतिभागियों ने हमारा दिल जीता। मंच पर विजेता चाहे कोई भी हो सभी ने बड़ी अप्रतीम प्रस्तुतियां दी। हमारे इस प्रतियोगिता के विजेता :

1. प्रथम पुरस्कार : नेहा कुमारी (नागपुरी गीत)
2. द्वितीय पुरस्कार : सुमन आर्य (गड्वाली गीत)
3. तृतीय पुरस्कार : वंदना कौशल (भोजपुरी गीत)

बाकी सभी प्रतिभागियों को प्रतिभागी प्रमाणपत्र दिए गए।

अंत में धन्यवाद ज्ञापन के लिए डॉ मीना पाण्डेय ने डॉ योजना कालिया जी को मंच पर आमंत्रित किया और उन्होंने अपनी मातृभाषा के बारे में बताया और कहा कि उनकी मातृभाषा पंजाबी है। और उन्होंने पंजाबी लोकगीत “दी चहूर उत्थे सलेटी रंग माहिया, आवो सामने कोलो दी रुस के न लंग माहिया” के बोल गुनगुनाएँ और माहौल में पंजाबी रंग भर दिया। इसी के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।
कार्यक्रम शाम 5:30 बजे समाप्त हुआ।

प



75
Azadi Ka
Amrit Mahotsav



विवेकानंद महाविद्यालय

दिल्ली विश्वविद्यालय
(नेक द्वारा 'ए' ग्रेड प्राप्त)

पल्लवी 2022

के अवसर पर

हिंदी -विभाग
द्वारा आयोजित

'धरोहर'

(मातृभाषा गीत प्रतियोगिता)
(आज़ादी का अमृत महोत्सव के संदर्भ में)

दिनांक -24 फरवरी 2022

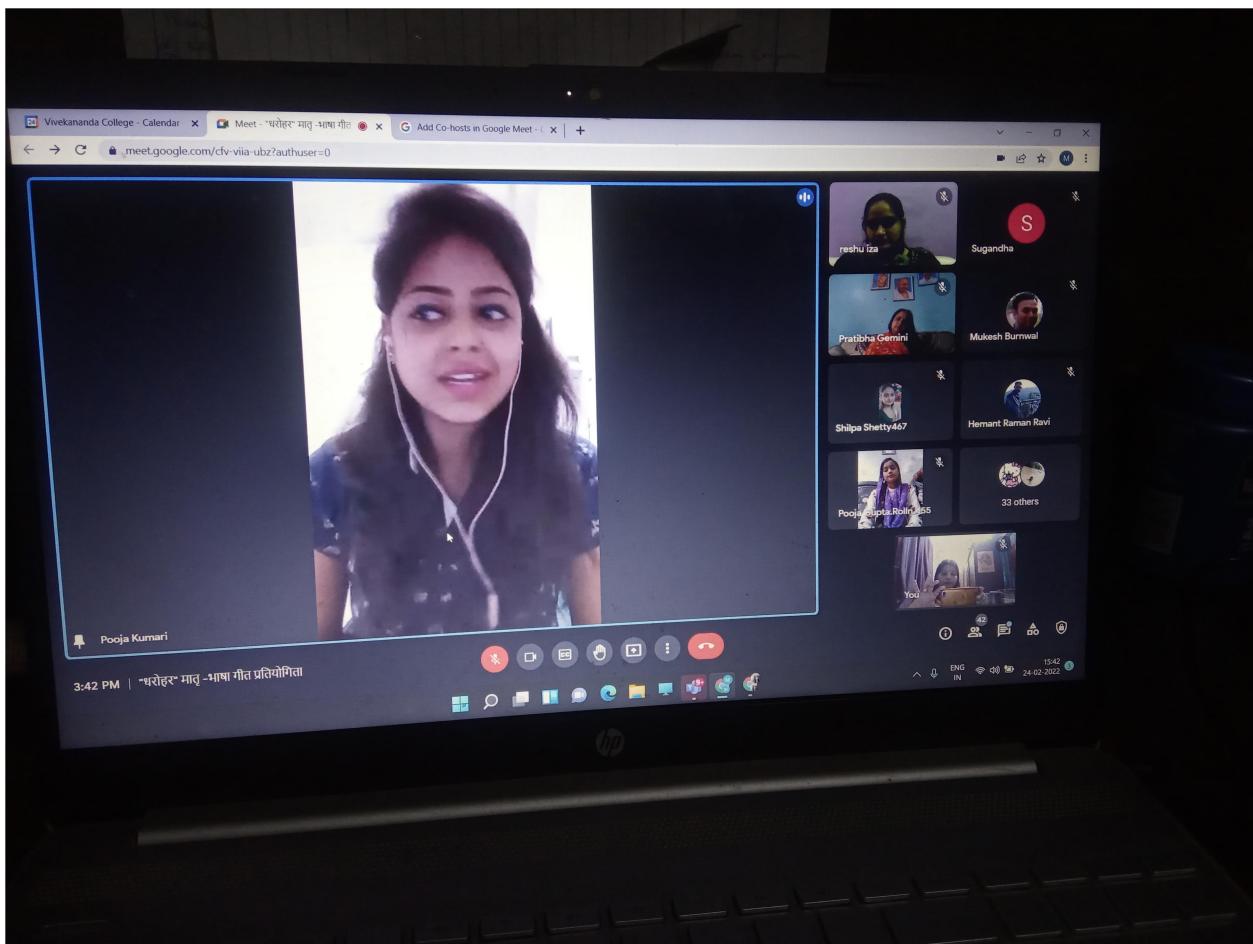
समय - दोपहर 3 बजे

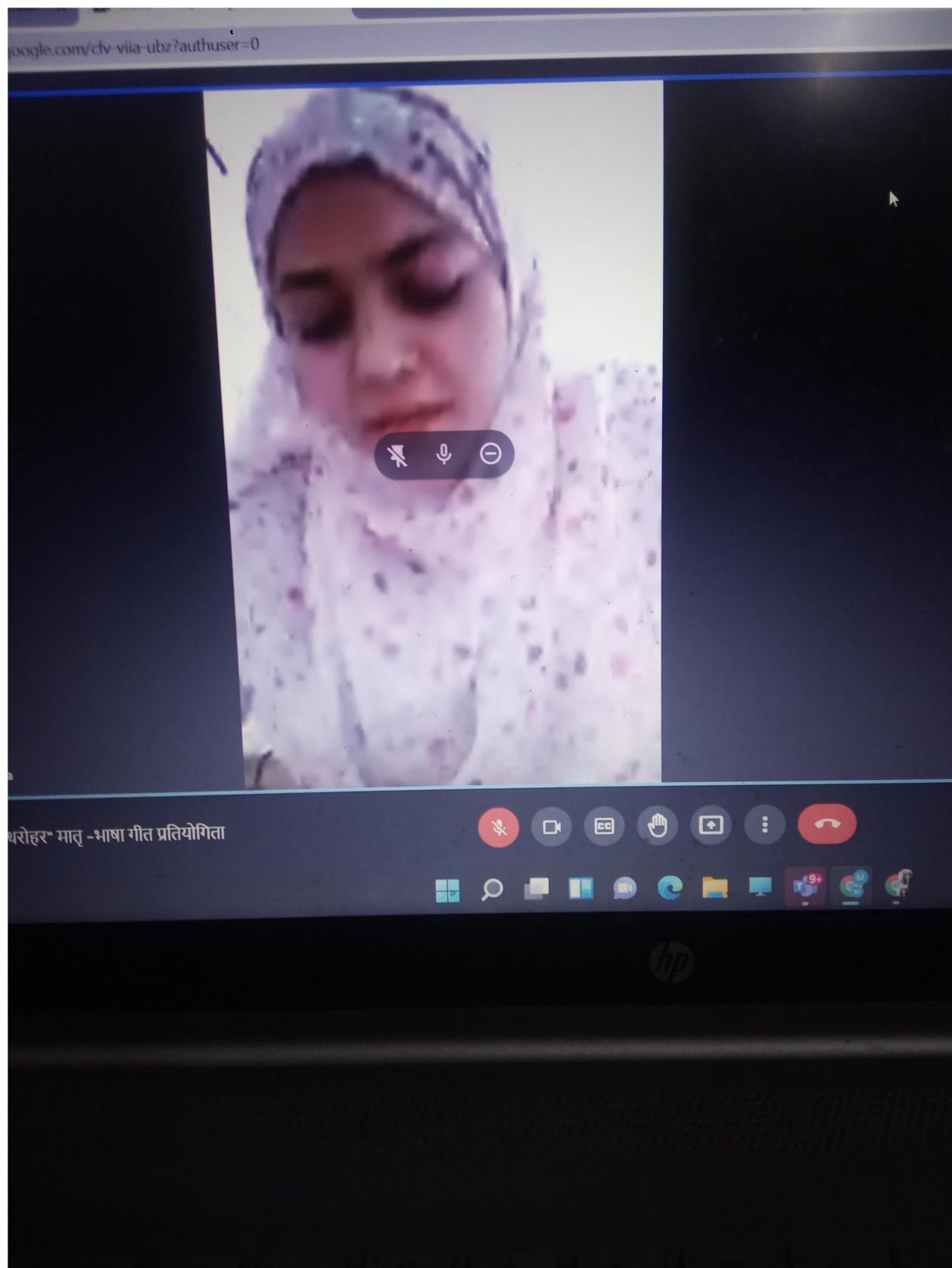
स्थान - गूगल मीट

कार्यवाहक प्राचार्य
डॉ हिना नंदराजोग

विभागाध्यक्ष
डॉ मुकेश बर्णवाल

छात्र संपर्क सूत्र
पूनम पांडे-8882404210
रेशमा- 83840 68761





4:36 PM 47.4KB/s ...

4G 38

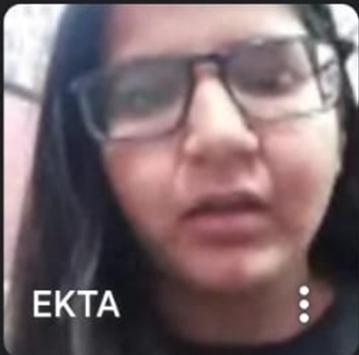
← cfv-vii-a-ubz →



Poonam



Shakeeba



EKTA



Mohini



You

